(ग) सुभद्रा कुमारी चौहान के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए ।

(घ) ''निराला एक विद्रोही क्रांतिकारी कवि हैं ।'' 'पथ के साथी' के आधार पर इस कथन की विवेचना कीजिए ।

(ङ) 'पथ के साथी' में चित्रित जयशंकर प्रसाद का परिचय दीजिए ।

(च) 'पथ के साथी' का साहित्यिक दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर **250** शब्दों में दीजिए : **5×3=15**

(क) भारतेन्दु के नाटक 'भारत दुर्दशा' का परिचय दीजिए ।

(ख) 'अंधेर नगरी' की मुख्य समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

(ग) उपेन्द्रनाथ अश्क के नाटकों की पात्र योजना पर टिप्पणी कीजिए ।

(घ) विष्णु प्रभाकर के नाटक 'दूर और पास' का उद्देश्य बताइए ।

Subject Code—53614

M. A. EXAMINATION

(Main) (Batch 2020 Onwards)

(Second Semester)

HINDI (Compulsory Subject)

MAHN-203

आधुनिक गद्य साहित्य (Part II)

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks :* 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की व्याख्या कीजिए : **3×7=21**

(क) एक अग्निमय गंधक का स्रोत आर्यावर्त्त के लोह अस्त्रागार में घुसकर विस्फोट करेगा । चंचला रण लक्ष्मी इन्द्रधनुष सी विजयमाल हाथ में लिए उस सुंदर नील-लोहित प्रलय जलद में विचरण करेगी और वीर हृदय मयूर से नाचेंगे ।

(ख) सावधान नंद! तुम्हारी धर्मांधता से प्रेरित राजनीति आंधी की तरह चलेगी, उसमें नंद वंश समूल उखड़ेगा । नियति-सुंदरी के भावों में बल पड़ने लगा है । समय आ गया है शूद् राजसिंहासन से हटाए जाएँ और सच्चे क्षत्रीय मूर्धाभिषिक्त हों ।

(ग) झोपड़ी ही तो थी, पिताजी यहीं मुझे गोद में बिठाकर राजमंदिर का सुख अनुभव करते थे। ब्राह्मण थे-ऋत और अमृत-जीविका से संतुष्ट थे, पर वे भी न रहे ! कहाँ गए, कोई नहीं जानता। मुझे भी कोई नहीं पहचानता । यही तो मगध का राष्ट्र है । प्रजा की खोज है किसे।

(घ) कविता ही हृदय को प्रकृत दशा में लाती है और जगत के बीच क्रमशः उसका अधिकाधिक प्रसार करती हुई उसे मनुष्यत्व की उच्चभूमि पर ले जाती है । भावयोग की सबसे उच्च कक्षा तक पहुँचे हुए मनुष्य का जगत के साथ पूर्ण तादात्म्य हो जाता है, उसकी अलग भाव सत्ता नहीं रह जाती, उसका हृदय विश्व-हृदय हो जाता है ।

(ङ) कुटज क्या केवल जी रहा है । वह दूसरों के द्वार पर भीख माँगने नहीं जाता, कोई निकट आ गया तो भय के मारे अधमरा नहीं हो जाता । नीति और धर्म का उपदेश नहीं देता फिरता, अपनी उन्नति को लिए अफसरों का जूता नहीं चाटता फिरता, दूसरों को अपमानित करने के लिए ग्रहों की खुशामद नहीं करता ।

(च) राम का निर्वासन वस्तुतः सीता का दुहरा निर्वासन है । राम तो लौटकर राजा होते हैं, पर रानी होते ही सीता राजा राम द्वारा वन निर्वासित कर दी जाती है । राम के साथ लक्ष्मण है, सीता है, सीता वन्य पशुओं से घिरी हुई विजन में सोचती है-प्रसव की पीड़ा हो रही है; कौन इस बेला में सहारा देगा । कौन जन्म के गीत गाएगा ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3×12=36**

(क) 'पथ के साथी' के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त के जीवन और साहित्य का विवेचन कीजिए ।

(ख) रवीन्द्रनाथ ठाकुर के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।

(ङ) संवादों की दृष्टि से विष्णु प्रभाकर के नाटकों का मूल्यांकन कीजिए ।

(च) 'कलम के सिपाही' जीवनी का सार लिखिए ।

(छ) 'कलम के सिपाही' जीवनी के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालिए ।

(ज) हरिवंश राय बच्चन का परिचय दीजिए ।

(झ) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' का उद्देश्य बताइए ।

(ञ) 'साहित्य देवता' की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए ।

4. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1×8=8**

(क) 'चंद्रगुप्त' नाटक में कितने अंक हैं ?

(ख) सिल्यूकस कौन है ?

(ग) 'चंद्रगुप्त' नाटक किस प्रकार का नाटक है ?

(घ) 'कुटज' निबंध के लेखक का नाम बताइए ।

(ङ) मनुष्य के हृदय को प्रकृत दशा में कौन लाता है ?

(च) 'पथ के साथी' से क्या तात्पर्य है ?

(छ) आधुनिक मीरा किसे कहा जाता है ?

(ज) 'पथ के साथी' में महादेवी वर्मा ने कितने साहित्यकारों के बारे में लिखा है ?